वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 97 | बुधवार 31 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजभवन के दरबार हॉल में राज्यपाल कलराज मिश्र का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

राज्यपाल कलराज मिश्र का पांच वर्ष का कार्यकाल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हेतु 'कुलाधिपति' पुरस्कार प्रांरभ किया
राजभवन में देश का पहला संविधान पार्क बना, सभी 50 जिलों में रेडक्रॉस शाखाएं गठित हुई

जयपुर. कासं

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राजस्थान में रहने के दौरान यहां के लोगों से मिले प्यार और अपनत्व को वह कभी भुला नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष के अपने कार्यकाल में जनता का जो विश्वास और भरपूर स्नेह मिला, उसी से वह राजभवन में बहुत कुछ नया कर सके। राज्यपाल मिश्र ने राजस्थान के राज्यपाल के रूप में अपने पांच वर्ष पूर्ण होने पर राजभवन के दरबार हॉल में अपने सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में भावुक होते हुए कहा कि उन्हें विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की सभी प्रमुख संवैधानिक संस्थाओं में कार्य करने का अवसर मिला पर राज्यपाल के रूप में सार्वजनिक जीवन में संविधान संस्कृति के लिए जो कार्य किया वह महत्वपूर्ण मानता हूं। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान पूरे देश का सर्वोच्च विधान है। इसलिए मैंने यह तय किया कि संविधान प्रमुख रहते हुए संविधान जागरूकता के लिए कार्य करूंगा। उन्होंने कहा कि हमारे यहां सामूहिक भाव का महत्व है। संविधान का आरंभ ही, ₹हम भारत के लोग₹ से होता है। उन्होंने कहा कि मूल संविधान भारतीय सभ्यता और संस्कृति से ओतप्रोत है। मैंने इस संविधान को धरती पर उतारने का प्रयास किया। राजभवन में देश का पहला संविधान पार्क निर्मित करने की पहल हुई। अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों से पूर्व संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों के वाचन की पहल की। विधानसभा में अभिभाषण से पहले संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों के वाचन का सूत्रपात किया। विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क निर्मित करवाए। अपने कार्यकाल के पांच वर्षों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों में 'च्वाईस बेस्ड सिस्टम' लागू करने और सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय को 'कुलाधिपति पुरस्कार' प्रदान करने की पहल की गई। मासिक प्रतिवेदन के आधार पर विश्वविद्यालयों का नियमित मूल्यांकन भी राजभवन स्तर पर सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोहों को प्रति वर्ष आयोजित कर समय पर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने की ऐतिहासिक पहल हुई। गांव गोद लेकर उनके विकास की पहल की गयी, जनजातीय क्षेत्रों में विकास को गति दी गई। मिश्र ने कहा कि राज्यपाल राहत कोष का पूरी तरह से डिजीटलाईजेशन कर इसके बैंक खाते में ऑनलाईन दान राशि जमा करवाने की सुविधा सॉफ्टवेयर बना कर उपलब्ध करवाई गयी। सैनिक कल्याण विभाग के अंतर्गत प्रदेश में संचालित समस्त 'युद्ध विधवा छात्रावास एवं पुनर्वास केन्द्रों' का नाम परिवर्तन कर 'वीरांगना छात्रावास एवं पुनर्वास केन्द्र' करने के साथ ही 'वीरांगना पहचान पत्र' की तर्ज पर शहीद की माता को ''वीर माता पहचान पत्र'' तथा शहीद के पिता को ''वीर पिता पहचान पत्र'' जारी करने का महत्वपूर्ण निर्णय भी राजभवन की पहल पर किया गया। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री टी.बी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में निक्षय मित्र बनाकर टी.बी. उन्मूलन में जनभागीदारी बढ़ाई गई। इसी तरह अंगदान के लिए रेडक्रॉस के जरिए जागरूकता की पहल की गई। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके किए कार्यों और नवाचारों को आगे भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सबके सामूहिक सहयोग और संकल्प से ही बहुत कुछ महत्वपूर्ण हो सका। राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने कहा कि राज्यपाल मिश्र के मार्गदर्शन में राजस्थान में निरंतर नवाचार अपनाते हुए महत्वपूर्ण कार्य हुए। उन्होंने कहा कि मिश्र का कार्यकाल सदा स्मरणीय रहेगा। प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने कहा कि उनके साथ कार्य करने से निरंतर सीखने और नया करने की प्रेरणा मिली। राजभवन की ओर से सचिव गौरव गोयल ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

सहकार भारती, भीलवाड़ा जिला एवं महानगर कार्यकारणी का हुआ गठन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। सहकार भारती, भीलवाडा जिले की बैठक अशोक नगर स्थित संस्कृति मंदिर में आयोजित हुई कसहकार भारती, राजस्थान प्रदेश महामंत्री उअ सुनील सोमानी ने सहकार भारती, भीलवाड़ा जिला एवं महानगर संगठन प्रमुख एवं प्रदेश कार्यकारणी सदस्य की घोषणा की कजिसमे भीलवाड़ा जिला संगठन प्रमुख रामनरेश विजयवर्गीय एवं महानगर संगठन प्रमुख मुकुट बसेर एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष छीतरमल लढा को प्रदेश कार्यकारणी सदस्य नियुक्त किया क भीलवाड़ा संगठन प्रमुख रामनरेश विजयवर्गीय ने सहकार भारती, भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष हेतु सुभाष चेचाणी, एवं महामंत्री दुगार्लाल सोनी को नियुक्त किया कनव नियुक्त जिलाध्यक्ष चेचाणी ने भीलवाड़ा जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये जिला उपाध्यक्ष सुशील गोयल, भैरूलाल बाल्दी, जिला कोषाध्यक्ष श्री उअ नवनीत तोतला, जिला मंत्री प्रहलाद ईनाणी, जिला महिला प्रमुख श्रीमती रिंकू बाहेती,जिला महिला महामंत्री श्रीमती प्रभा सिसोदिया,जिला कार्यकारणी सदस्य सुशील जैन, मनीष गर्ग, मनीष डाड, नारायण माली, उअ दिनेश आगाल, देवीलाल गाडरी, राजेश शर्मा, पुनम सेठी, पुनीत विजयवर्गीय, दिनेश सोमानी को नियुक्त किया गया क भीलवाड़ा महानगर संगठने प्रमुख मुकुट बसेर ने भीलवाड़ा महानगर अध्यक्ष हेतु संजय पांडे को नियुक्त किया गया कभीलवाड़ा महानगर अध्यक्ष संजय पांडे ने महानगर की कार्यकारणी में महामंत्री जगदीश लढा, कोषाध्यक्ष उअ र.ठ. लाठी, महिला प्रमुख श्रीमती कविता विजयवर्गीय, महिला महामंत्री श्रीमती कमलेश सेठी, को नियुक्त किया गया कमंच संचालन प्रदेश कोष प्रमुख पुनीत सोमानी ने किया कसहकार भारती भीलवाड़ा विभाग प्रमुख श्रीमती विजया सुराणा ने राजस्थान प्रदेश अधिवेशन में महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या प्रतिभागी होना का आग्रह किया के और आगामी 9,10 अगस्त को होने वाले सहकार भारती, राजस्थान प्रदेश अधिवेशन कि तेयारियो पर चर्चा की गई कइस शुभ अवसर पर जिला संगठन सदस्य टीम और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कोटखावदा के पार्श्वनाथ चैत्यालय में जीर्णोद्धार उपरान्त एक दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आज बुधवार 31 को

कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा के बड़ा बास आमली स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय में जीर्णोद्धार कार्य करवाया गया है। इसी कड़ी में बुधवार 31 जुलाई को एक दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर झण्डारोहण, घट यात्रा, याग मण्डल पूजा विधान, वात्सल्य भोज सहित कई धार्मिक आयोजन किये जाएंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि चैत्यालय में अजमेर निवासी श्रीमती चन्द्रकला कासलीवाल धर्म पत्नी स्व. श्री प्रेम चन्द कासलीवाल परिवार ने जीर्णोद्धार के बाद तीन वेदियों का निर्माण करवाया है। प्रतिष्ठाचार्य रमेश गंगवाल एवं वास्तुविद राज कुमार कोठयारी के निर्देशन में बुधवार को भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में प्रातः 6.00 बजे मंत्रोच्चार के साथ श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा की जाएगी। प्रातः 7.30 बजे जयकारों के बीच ध्वजारोहण किया जाएगा। प्रातः 8.30 बजे बडा बास स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र से चैत्यालय के लिए विशाल घटयात्रा रवाना होगी। घटयात्रा में महिलाऐं केसरिया साड़ी पहने हुए सिर पर कलश लेकर मंगल गीत गाते शामिल होगी। घटयात्रा मैन मार्केट होते हुए चैत्यालय पहुचेगी जहां महिलाओं द्वारा कलश में लाये हुए जल से मंत्रोच्चार के साथ वेदी शुद्धि की जाएगी। आयोजन से जुड़े हुए शांति चांदवाड ने बताया कि प्रातः 10.30 बजे संगीतमय याग मण्डल विधान पूजा की जाएगी। विधान पूजा में बडी संख्या में इन्द्र - इन्द्राणी अष्ट द्रव्य से पूजा- अर्चना करेगें। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दोपहर 1.00 बजे नवीन वेदियों में जयकारों के बीच श्री जी को विराजमान किया जाएगा। एक वेदी में खडगासन पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा, दूसरी वेदी में कोलिया से आई हुई भगवान सुपार्श्वनाथ की प्रतिमा एवं तीसरी वेदी में महेश पुरा से आई हुई श्याम वर्ण पाषाण की भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा को विराजमान किया जाएगा।

लापरवाह सरकार विधायकों के वेतन भत्ते बढ़ा रही-मजदूरों को मेहनत के बदले मिल रहा शोषण

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा । राजस्थान सरकार का विधायकों के वेतन भत्ते बढ़ाने पर ध्यान हे मगर मेहनकश गरीब के प्रति लापरवाही बरत रही है। एच एम एस के प्रदेश सचिव एवं थर्मल ठेकेदार वर्कर्स यूनियन अध्यक्ष आजाद शेरवानी ने बताया कि सरकार अपने वेतन भत्ते हर साल बढ़ जायें इसकी व्यवस्था में लगी हुई हे और पक्ष विपक्ष के सभी विधायक अपने फायदे को देखकर खुश हें मगर जिस जनता ने उन्हें चुनकर भेजा हे उनकी किसी को फि क्र नहीं हे ऐसा कोई विधायक नहीं हे जो खड़ा होकर इस बात को कहे कि जब हम अपने वेतन भत्ते को हर साल बढ़ जाये ऐसी व्यवस्था कर सकते हें तो जो दिन रात खून पसीना एक करता हे उस मजदूर के लिये ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं कि हर साल बिना किसी घोषणा के उनकी मजदूरी बढ़ जाए। महंगाई के इस दौर में मिलने वाली मजदूरी से मेहनतकश अपने परिवार का पेट नहीं भर पा रहा हे और जनप्रतिनिधि अपने लाभ की व्यवस्था में जुटे हुए हें 2022 के बाद से अभी तक मजदूर को न्यूनतम मजदूरी बढ़कर नहीं मिली हे नई घोषित दर जो 1 जनवरी 2023 से बढ़नी थी वो सिर्फ. घोषणा मात्र बनी हुई हे इसको लागू करने के लिये नोटिफिकेशन जारी नहीं किया जा रहा हे क्योंकि लगभग सभी जनप्रतिनिधि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उद्योगपति हें और वो नहीं चाहते कि उन्हें अपने मजदूरों को बढ़ी हुई मजदूरी देनी पड़े। अब तक 2024 की नई मजदूरी दर घोषित हो जानी चाहिये थी मगर नई घोषणा तो दूर पूर्व घोषित दर भी मजदूर को मिले ऐसी कोशिश भी नहीं हो रही है। सरकार को चाहिये की बढ़ी हुई मजदूरी 26 रुपये का जल्द से जल्द नोटिफिकेशन जारी करवाये और जिस प्रकार अपने लिये व्यवस्था कर रही हे ठीक उसी प्रकार मजदूरी बढ़ने की व्यवस्था भी की जाये जिससे हर साल न्यूनतम मजदूरी में अपने आप बढ़ोत्तरी हो।

भगवान कुंथुनाथ नाथ का मनाया गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चौरू, नारेडा मंडावरी, मेंहन्दवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना के दिगम्बर जैन मंदिरों सहित फागी कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, चंद्र प्रभु नसियां, एवं चंद्रपुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 17 वें तीर्थंकर कुंथुनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्ल्लास के साथ मनाया गया, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने कार्यक्रम में शिरकत करते हुए अवगत कराया कि कार्यक्रम में आज कस्बे के प्राचीन मंदिर आदिनाथ जिनालय मे प्रातः श्री जी का अभिषेक, महाशांतिधारा के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना करने के बाद पंचपरमेष्ठी भगवान सहित सभी नवदेवताओं की पूजा कर सभी पूवार्चार्यों के अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई, साथ ही जैन धर्म के 17 वें तीर्थंकर कुंथुनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से जयकारों के अर्घ्य अर्पित किया गया, कार्यक्रम में समाज की वयोवृद्ध श्राविका शकुंतला छाबड़ा एवं मनभर कासलीवाल ने संयुक्त रूप से बताया अवगत कराया कि भगवान कुंथुनाथ का जन्म बैसाख बुदी प्रतिपदा को हस्तिनापुर में हुआ था उनके पिता का नाम शूरसेन ओर माता का नाम श्रीकांता था, भगवान कुंथुनाथ की माता ने देवों के द्वारा की हुई रत्न वृष्टि आदि की पूजा की थी श्रावण कृष्णा दशमी के दिन माताराणी ने सर्वार्थ सिद्धि के अहमिन्द्र को गर्भ में धारण किया उस समय इन्द्रों ने आकर भगवान का गर्भ महोत्सव मनाया।

कुलचाराम हैदराबाद औरंगाबाद अन्तर्मना प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन...

जो शब्द कहे नहीं गये - वो कहीं नहीं गये...!

सिर्फ शब्दों से ना करना, किसी के वजूद की पहचान, हर कोई उतना कह नहीं पाता, जितना समझता और महसूस करता है। वैसे भी आज कल लोग, समझते कम --- समझाते ज्यादा हैं। इसलिए रिश्ते सुलझते कम, उलझते ज्यादा हैं। क्योंकि शब्द रचे जाते, गढ़े जाते, मढ़े जाते, लिखे जाते, पढ़े जाते, बोले जाते, तौले जाते, टटौले और खंगाले जाते हैं। शब्द बनते हैं, सँवरते हैं, सुधरते हैं, निखरते हैं, हँसते हैं, मनाते हैं, रूलाते हैं, मुस्कुराते हैं, खिलखिलाते हैं, गुदगुदाते हैं, मुखर हो जाते हैं, प्रखर हो जाते हैं और मधुर हो जाते हैं। इतना ही नहीं शब्द चुभते हैं, बिकते हैं, रूठते हैं, घाव देते हैं, ताव देते हैं, लडते हैं, झगड़ते हैं, बिगड़ते हैं, बिखरते हैं और सिहरते हैं। लेकिन शब्द मरते नहीं, शब्द थकते नहीं, शब्द रूकते नहीं और शब्द चुकते नहीं। इसलिए शब्दों से खेले नहीं, बिन सोचे बोले नहीं, शब्द को मान दो, सम्मान दो, ध्यान दो, पहचान दो, उड़ान दो, शब्द को आत्मसात करें, और हर शब्द पर विचार करें। क्योंकि शब्द अनमोल है, जुबान से निकले बोल है, शब्दों में धार है, शब्दों की मार है और शब्द से उद्धार है। शब्दों का अपना एक संसार है। इसलिए शब्दों में जिम्मेदारी झलकनी चाहिए। क्योंकि आपको बहुत से लोग पढ़ते हैं।

हमने अनुभव किया- चेहरे बदल जाये तो तकलीफ होती है..!
लेकिन शब्द और लहजे बदल जाये तो बहुत तकलीफ होती है।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

गायन वादन के क्षेत्र में निवाई जैन समाज की प्रतिभाएं डिग्गी में सम्मानित

जैन मुनि विनीत नन्दी महाराज का समाधि दिवस समारोह मनाया

डिग्गी. शाबाश इंडिया

आचार्य इंद्र नन्दी महाराज के सानिध्य में जैन मुनि विनीत नन्दी महाराज के द्वितीय समाधि दिवस के उपलक्ष्य पर श्री दिगम्बर जैन शांतिनाथ मंदिर डिग्गी में आयोजित शांतिनाथ मण्डल विधान का अनुष्ठान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में जैन समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर के कोषाध्यक्ष गोविन्द जैन ने बताया कि जैन मंदिर में मुनि श्री क्षमासागर जी महाराज का संल्लेखना समाधि चल रही है। इस दौरान पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के निर्देशन में शांतिनाथ मण्डल विधान में पांच मंगल कलश की स्थापना एवं समाधिस्थ मुनि विनीत नन्दी महाराज के चरण स्थापित करने का सौभाग्य लालचंद बेणीप्रसाद जैन झिराणा को मिला। इस अवसर पर डिग्गी में आयोजित शांतिनाथ मण्डल विधान अनुष्ठान में निवाई जैन समाज की जैन प्रतिभाओं गायक विमल जौंला गायक अजीत काला एवं गायक विमल बड़ागांव ने गायन वादन के क्षेत्र में अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन विमल जैन पचेवर ने किया। जैन समाज के प्रचार-प्रसार मंत्री राकेश संधी एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि इस दौरान पूज्य समाधिस्थ गुरुदेव मुनि विनीत नन्दी महाराज के द्वितीय समाधि दिवस महोत्सव के चलते डिग्गी में अग्रवाल समाज चौरासी एवं चातुर्मास कमेटी डिग्गी द्वारा निवाई जैन समाज की तीन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया

जिसमें अखिल भारतीय जैन समाज के प्रवक्ता गायक विमल पाटनी जौंला जैन संगीत मण्डल के अध्यक्ष विमल चंद बड़ागांव संगीत सम्राट अजीत काला का गायन वादन के क्षेत्र में 30 वर्षों से अपनी निस्वार्थ सेवा देने के लिए राजस्थानी परम्परा अनुसार डिग्गी में सम्मानित किया। इस अवसर पर विमल जैन पचेवर लालचंद झिराणा रामलाल जैन हुकमचंद जैन त्रिलोक जैन बेणीप्रसाद जैन महावीर प्रसाद नक्टा चम्पा लाल जैन पदम सेदरिया माणक जैन ज्ञानचंद जैन विनोद बनस्थली ताराचंद भाणजा धर्मचंद जैन विवेक जैन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

वेद ज्ञान

परिचय का महत्व

जिनके पास जो नहीं रहता, उसी के विषय में जिज्ञासा की जाती है। जिसका परिचय होता है, उसका परिचय नहीं पूछा जाता। जानने वाले जान जाते हैं। किसी से मिलते ही परिचय जानने की छटपटाहट समस्याएं उत्पन्न करती है। प्रसंग और संदर्भ में तो परिचय का महत्व होता है, पर अपनी धुन में चले जा रहे व्यक्ति का परिचय जानने के लिए पग-पग पर टोकना आहत करता है। किसी को अपनी ओर आकर्षित करने की अनेक विद्याएं निकाली जाती हैं। परिचय जानने वाले दो प्रकार के होते हैं। प्रथम वे होते हैं, जो स्वयं को महान मानकर सामने वाले के अनादर से नहीं हिचकिचाते। अपने प्रश्न के स्तर का उत्तर चाहते हैं। वे स्वयं को दुधमुंहे बच्चे की भांति नवजात आयु का मानते हैं। ऐसे लोग नहीं जानते पात्रता के अनुसार कार्य करने वाले जीवन भर सुंदर लगते हैं। होनहार लोग प्रतिकूलता को अनुकूलता बनाने में आयु खपाते हैं। दूसरे प्रकार के वे अच्छे लोग हैं, जो हाव-भाव या अपने मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपने पारिवारिक संस्कारों का परिचय देते हैं। गुण ग्राहकता जन्मजात होती है। दूसरों में गुण तलाशने का तप गुदड़ी के लाल करते हैं। विद्वानों को आगे बढ़ाने वाले सरस्वती पुत्र कम बचे हैं। चरण खींचकर हाशिये पर करने की होड़ में उच्चकुल नहीं रहता। इतिहास में चमकने वाले महान व्यक्तित्वों को ऊंचाई देने का श्रेय ऐसे लोगों को है, जिन्होंने उनके गुणों को परखकर उन्हें आगे बढ़ाकर मानव से महामानव बनाया। दृष्टिकोण के अनुसार विश्व दिखाई देता है। अचानक मिलने वाले अपने सकारात्मक प्रभाव से किसी को भी विश्वविख्यात बना देते हैं। परिचय की श्रेष्ठता एक-दूसरे से जोड़ने का अवसर देती है। कभी-कभी परिचय अनहोनी होनी बनकर जौहरी से हीरे को मिलाती है। शब्द की ऊर्जा का आलोक संगीत की झंकार बनता है। बड़े-बड़े गुमनाम हो जाते हैं, जब परिचय कराने वाले गूंगे बनकर छलते हैं। जिनके परिचय देने से किसी की हिमालय जैसी ऊंचाई संसार जान जाता है, उनसे राह बचाई जाती है।

संपादकीय

आगे बढ़ने के लिए स्पष्ट रोडमैप की जरूरत

गत सप्ताह नीति आयोग की संचालन संस्था की नौवीं बैठक के बाद एक 'दृष्टिकोण पत्र' जारी किया गया। इसमें 2047 तक विकसित भारत बनाने को लेकर विजन पेश किया गया है। यह लक्ष्य चर्चा में है और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार इसका उल्लेख कर चुके हैं। यह महत्त्वपूर्ण है कि इस बात का आकलन किया जाए कि सरकार का थिंक टैंक इस बारे में क्या सोचता है कि इसे हकीकत में बदलने के लिए क्या कुछ करना होगा।

दस्तावेज में काफी आत्मविश्वास नजर आता है और वह इस मान्यता पर आधारित है कि भारत ने 'बदलाव के अपने सफर में कई ऐसे मुकाम हासिल किए जो नजर आते हैं और अब वह उड़ान भरने को तैयार है।' परंतु कई लोगों का तर्क है कि भारत बीते कम से कम दो दशकों से रनवे पर ही खड़ा है और उसकी उड़ान अभी भी कुछ दूर नजर आती है। संबंधित दस्तावेज में बीते एक दशक के प्रदर्शन की काफी बात की गई है और यह दर्शाया गया है कि भारत ने तेज छलांग लगाने की क्षमताएं दिखाई हैं। इस बात को जन धन खातों में विस्तार, चंद्रयान की उपलब्धि और एशियाई खेलों में पदक तालिका में स्थान तक के संदर्भ में कहा गया है। ये सभी बातें गर्व करने लायक हैं लेकिन ये तथा ऐसे अन्य उदाहरणों का आवश्यक तौर पर यह अर्थ नहीं हो सकता है कि ये आर्थिक विकास की योजनाओं में भी अनिवार्य तौर पर अपनी भूमिकाएं निभाएं। इसका काफी हिस्सा इस बात की पड़ताल करता है कि विकसित भारत का क्या अर्थ हो सकता है। यह दावा किया गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर 15 लाख लोगों के साथ संवाद करके विकसित भारत 2047 के लिए विजन का प्रारूप तैयार किया गया। बहरहाल इसमें कुछ लोकप्रिय मांगें मसलन स्वच्छ पेय जल, सबके लिए कौशल तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जीवंत बनाना आदि शामिल हैं और इस आधार पर लगता है कि इसके लिए इतनी गहन चर्चा की क्या आवश्यकता थी। आंतरिक चुनौतियोंह्व वाला हिस्सा सबसे अधिक प्रासंगिक है। इसमें ऊर्जा क्षेत्र की दिक्कतें दूर करना, ग्रामीण शहरी असमानता और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय शामिल हैं। हालांकि इन पर कैसे काम होगा, ये सुझाव भी प्राप्त करने होंगे। आखिर में सबसे अहम हैं आर्थिक लक्ष्य। ऐसा इसलिए कि विकसित भारत के अन्य लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी गति वृद्धि से ही हासिल होगी। पत्र में कहा गया है, 'हमें 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है और उस समय तक हम 18,000 डॉलर वार्षिक की प्रतिव्यक्ति आय का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।' हालांकि इसे हकीकत में बदलने के लिए दो अंकों की वृद्धि लगातार बरकरार रखनी होगी। पत्र में ऐसी वृद्धि के उदाहरणों में जापान, जर्मनी, सिंगापुर और कोरिया के साथ चीन का नाम पढ़ना दिलचस्प है। इन देशों ने दशकों तक उच्च वृद्धि हासिल की है और इसे नाटकीय संस्थागत और सामाजिक बदलावों से भी मदद मिली है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

विदेश नीति

भारत की विदेश नीति कौन तय करता है? आप कहेंगे कि नई दिल्ली में बैठी केंद्र सरकार। लेकिन क्या हो अगर राज्य सरकारें भी इसमें कूद पड़ें, और क्या वे ऐसा कर भी सकती हैं? इस सवाल पर अभी बहस हो रही है और इसका श्रेय पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जाता है, जिन्होंने बांग्लादेश में चल रहे विरोध-प्रदर्शन पर टिप्पणी की है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर बांग्लादेश में हिंसक विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। इसमें सौ से ज्यादा लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हिंसा के बीच ममता बनर्जी ने एक प्रस्ताव जारी करते हुए कहा कि अगर बांग्लादेश से शरणार्थी बंगाल में आते हैं, तो वो उन्हें शरण देंगी। लेकिन समस्या यह है कि उन्हें ऐसा प्रस्ताव रखने का अधिकार नहीं है। बांग्लादेश ने भी इसका विरोध किया है। उसने ढाका में भारतीय उच्चायोग में औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई है और नई दिल्ली ने इसकी पुष्टि की है। नई दिल्ली ने यह भी कहा कि संविधान की 7वीं अनुसूची के तहत, विदेशी मामलों का संचालन केवल केंद्र सरकार का ही विशेषाधिकार है। राज्यों का उसमें कोई दखल नहीं है। वे विदेश मंत्रालय को केवल सुझाव भर ही दे सकते हैं। इसके बावजूद यह हो रहा है, और सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही नहीं। केरल में तो वहां की राज्य सरकार ने अपना खुद का एक 'विदेश सचिव' नियुक्त कर रखा है- विदेश में केरल से जुड़े मामलों की देखभाल के लिए। एक बार फिर, केंद्र ने कहा कि राज्य सरकारों को उन मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, जो उनके संवैधानिक अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। यह एक चिंताजनक मसला है। क्योंकि विदेश नीति, कर या शराब कानून की तरह नहीं होती। आप अलग-अलग राज्यों के लिए विदेश नीति सम्बंधी अलग-अलग नियम नहीं बना सकते। इसकी एक ही नीति होनी चाहिए। हमारे संविधान-निर्माताओं ने इस बात को समझा था। वे चाहते थे कि विदेश में पूरा भारत एक स्वर में बोले। यही कारण है कि केवल केंद्र ही विदेश नीति निर्धारित कर सकता है। कल्पना कीजिए अगर ऐसा नहीं होता तो। क्या होता अगर जम्मू-कश्मीर के पास पाकिस्तान से बातचीत करने के लिए अपनी पृथक विदेश नीति होती? अगर तमिलनाडु के पास श्रीलंका के तमिलों से संपर्क करने की अपनी नीति होती तो? अगर पंजाब के पास खालिस्तानियों से निपटने की अपनी नीति होती तो? और क्या होता अगर अरुणाचल प्रदेश के पास मान्यता के लिए चीन से बातचीत करने की अपनी नीति होती? तब जो अराजकता मचती, क्या आप उसकी कल्पना कर सकते हैं? राष्ट्रीय हित पीछे छूट जाता, क्षेत्रीय हितों का बोलबाला होता। हमारे संविधान-निर्माता इसे रोकना चाहते थे। इसलिए कुछ शक्तियां केवल केंद्र के पास छोड़ी गई हैं, जैसे विदेश नीति और रक्षा। अगर आप इसे कमजोर करते हैं तो एक खतरनाक मिसाल कायम करते हैं। साथ ही, अगर नीतियां एक-दूसरे का खंडन करती हों तो क्या होगा? पश्चिम बंगाल शरणार्थियों का स्वागत कर सकता है, लेकिन असम निश्चित रूप से ऐसा नहीं चाहता। तब क्या वे इससे लड़ने के लिए अपनी सेनाएं भी खड़ी करेंगे? इस तरह के कदम भारत के संघवाद की नींव को कमजोर करते हैं। सवाल यह है कि इसके बारे में क्या किया जा सकता है? सबसे पहले तो चीजों को दुरुस्त करना होगा। भाजपा ने केरल सरकार के कदम को असंवैधानिक बताया है। देखते हैं कि इसके बाद कोई कानूनी चुनौती आती है या नहीं। अगर ऐसा होता है, तो अदालतें हस्तक्षेप कर सकती हैं और मामले का निराकरण करने की पेशकश कर सकती हैं। दूसरे, हमें संघीय विभाजन को ठीक करने की जरूरत है। और यहां सिर्फ विदेश नीति की बात नहीं है।

अमीश भाई दोशी ने मेडिकल इक्विपमेंट बैंक उदयपुर का निरीक्षण किया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अमीश भाई दोशी जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन के चैयरमैन ने मेवाड़ रीजन मेडिकल इक्विपमेंट बैंक उदयपुर का उदयपुर प्रवास के दौरान निरीक्षण किया। उनकी अगवानी में रीजन चेयरमैन अनिल नाहर, अरुण मांडोत चैयरमैन इलेक्ट, मेडिकल इक्विप्मेंट बैंक चैयरमैन श्याम सिसोदिया, संयोजक राजेन्द्र खोखावत, सहसंयोजक नरेन्द्र सेठ ने माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर मेवाड़ रीजन पदाधिकारी, तथा संगीनी मैन की पदाधिकारी एवम सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगिनी मैन की श्रीमती कविता राजेन्द्र जैन की प्रेरणा से एक आई सी यू बेड (ऑटोमेटिक) मेवाड़ रीजन मेडिकल इक्विपमेंट बैंक को भेंट किया गया । कोरोना महामारी से अभी तक बिना किसी रुकावट तथा व्यवधान के अपनी अनवरत सेवाएं राजेन्द्र खोखावत व नरेन्द्र सेठ , मेडिकल इक्विप्मेंट बैंक के सभी सदस्यों ने की उसकी अमीश भाई दोशी ने भूरी भूरी प्रशंसा की। श्याम सिसोदिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

समभावों की साधना सामायिक है: साध्वी प्रितीसुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

समभावों की साधना सामायिक है। मंगलवार को पंचायती नोहरा जैन स्थानक साध्वी प्रितीसुधा ने सैकड़ों श्रध्दांलूओ को धर्म संदेश देतें हुए कहा कि मनुष्य मे समता जब तक नहीं आयेगी तब उसकी सामायिक परिपूर्ण नहीं हो सकती है। सामायिक आत्मा है जो मनुष्य कि आत्म शक्ति को उजागर करके समभाव को विकसित करती हैं। इच्छाओं पर मन से सामायिक कि साधना करके इच्छाओं पर हम विराम लगा सकते है। सामायिक की साधना के द्वारा हम अपनी इच्छाओं और कामनाओं पर अंकुश लगा सकतें है, यही अंकुश हमारी आत्मा की प्रगति के मार्ग पर साहायक सिध्द बन सकती है तपस्वनी साध्वी सयंम सुधा ने प्रवचन और गीत के माध्यम से कहा कि सामायिक ही है जो मनुष्य को सत्य से साक्षात्कार करवाती है सामायिक करने वाला व्यक्ति अपने अवगुण और दोष को जानकर आलोचना करता वही मनुष्य अपनी आत्मा को परमात्मा से विलय करवा सकता है। इस दौरान निलिष्का जैन ने बताया की धर्मसभा मे बहनो और. भाईयो ने 5 और सात उपवास के प्रत्याख्यान लिए उनका जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन,ओकारसिंह सिरोया, दिनेश चौरड़िया ललित चौधरी,राजेन्द्र खोखावत, लक्ष्मीलाल वीरवाल आदि पदाधिकारियों ने.तपस्वियों का बहुमान किया ।

-प्रवक्ता निलिष्का जैन

भक्तामर महिमा प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ

नई दिल्ली

आस्था की भूमि पर जब ज्ञान का बीज बोया जाता है तो चारित्र का वृक्ष उत्पन्न होता है। उस चारित्र रूपी वृक्ष पर तप फूल खिलते हैं। जिनसे त्याग की सुगंध उत्पन्न होती है जो पूरे साधक जीवन की महक प्रदान करती है। उरत तप के फूल पर ही सुख, शान्ति और आनंद के फल अति है ऐसी ही तप व्याग और साधना की प्रतिमूर्ति थे आचार्य श्री मानतुंग स्वामी। वे कभी ग्रीष्म काल में पर्वत के शिखरों पर आतापन योग धारण करते तो कभी वषार्काल में किसी वृक्ष के मूल में वृक्षमूल तप की आराधना करते थे तो कभी शीतकाल में किसी नदी किनारे खुले आकाश में अभ्रावकाश नाम की कठोर तपसाधना के माध्यम से अपने आत्महित का पावन पुरुषार्थ किया भरते थे। ऐसे महान संत जी इस भोतिक जग से अपरिचित निज आष ध्यान में लीन रहा करते थे, ऐसे महान साधक पर जब उपसर्ग हुआ तो उन्होंने श्री भक्तामर स्तोत्र के माध्यम से प्रथम तीर्थकर ऋषभदेव की स्तुति की ओर उनकी वह भाव स्तुति महान अतिशय का कारण बनी। उस भक्तामर रचना के प्रभाव से 48 जेलो के ताले और शरीर पर बंधी हुई जंजीर क्षण भर में टूटकर नीचे गिर गई। आचार्य श्री मानतुंग स्वामी भी यह अतिशय चमत्कारी भक्ताम्बर स्तोत्र पर

परम पूज्य जिनागम पंथ प्रवर्तक, आदर्शमहाकवि भावलिंगी संत, श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज के मंगल सानिध्य में एवं मधुर कण्ठ से श्री भक्तामर महिमा प्रशिक्षण शिविर का मामांगलिक आयोजन श्री दिगम्बर जैन मन्दिर कृष्णानगर में ऐतिहासिक शुभारंभ श्री भक्तामर प्रशिक्षण शिविर का शुरू शुभाशीष पूर्वक भव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ। परमपूज्य दिगम्बराचार्य ने कहा प्रतिदिन सभी शिविरार्थियों को अपनी किट को लेकर आना होगा, किट में अध्ययन सामग्री,डायरी पेन, पुस्तक और विनय का प्रतीक टोपी होगी। प्रतिदिन पुरुष वर्ग सफेद बकनी में और महिमावर्ग, केशरिया साड़ी में रहेंगे। प्रतिदिन गुरुमुख से अमृत देशना सुनने के लिये अपार भीड़ उपस्थित हो रही है।

बीड़ी वाला परिवार समाज चिंतामणि रत्न की उपाधि से सम्मानित

इंदौर. शाबाश इंडिया

नगर की दिगंबर जैन समाज के निर्भिमानी, महादानी गौरवशाली बीड़ी वाला जैन परिवार को मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज एवं सांसद शंकर जी लालवानी के सानिध्य में दयोदय चैरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट एवं विद्या विनम्र चातुर्मास समिति के द्वारा श्रीफल, माला, दुपट्टा, पगड़ी पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर समाज चिंतामणि रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज ने कहा कि इंदौर का बीड़ी वाला जैन परिवार को आज समाज चिंतामणि रत्न की उपाधि से गौरवान्वित करते हुए यहां उपस्थित साधु समाज भी गौरवान्वित है। आपने कहा कि इस परिवार के बारे में गुरुदेव आचार्य विद्यासागर जी महाराज कहा करते थे। कि यह एक ऐसा परिवार है जो दिन रात समाज की चिंता करता है, समाज के लिए जीता है और धर्म समाज के उत्थान के लिए अपने पुरुषार्थ से कमाई लक्ष्मी का उपयोग करता है। इस परिवार ने जैन शासन और नेमावर एवं इंदौर में धर्म समाज के लिए जो किया है वह अभिनन्दिनीय है और यह परिवार एक भामाशाह परिवार से कम नहीं है। मुनि श्री ने अंत में कहा कि यह सम्मान तो गुरुदेव के सानिध्य में ही होना था लेकिन ऐसा नहीं हो सका। आपने संपूर्ण बीड़ी वाला परिवार के पुण्य की अनुमोदना कर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी सभी संतो आचार्यों का आशीर्वाद इस परिवार को सदैव प्राप्त होता रहे। समारोह में सांसद शंकर लालवानी, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं बीड़ी वाला परिवार के वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र जैन पप्पाजी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर नगर में चातुर्मास कर रहे दिगंबर जैन समाज के अनेक आचार्य मुनि एवं साध्वियां और दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटौदी, महामंत्री सुशील पांड्या, मंत्री डॉ जैनेंद्र जैन, अमित कासलीवाल हंसमुख गांधी, परवार समाज के अध्यक्ष राजेश लॉरेल , चातुर्मास समिति के अध्यक्ष मनोज बाकलीवाल, मनीष नायक, सतीश डबडेरा, छत्रपति नगर समाज अध्यक्ष भूपेंद्र जैन, कमल जैन चैलेंजर, विपुल बांझल, राजेश जैन दद्दू, अखिलेश सोधिया राजेन्द्र नायक, परवार समाज महिला संगठन इंदौर की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन, सारिका जैन, मीना जैन एवं बीड़ी वाला परिवार के आजाद जैन, डॉ अशोक जैन, डॉ राकेश, राजीव जैन बंटी, डॉक्टर दीपक जैन, संजीव जैन विकास जैन आदि एवं समारोह में उपस्थित हजारों लोग सम्मिलित थे। प्रशस्ति पत्र का वाचन सचिन जैन उद्योगपति एवं समारोह का संचालन ब्रह्मचारी अविनाश भैया ने किया।

राजेश जैन दद्दू धर्म समाज प्रचारक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का मनोरंजक गैट टू गैदर कार्यक्रम संपन्न

सदस्यों ने लिया स्विमिंग, रेन डांस, मनोरंजक गेम्स व हाऊजी के साथ-साथ स्वादिष्ट भोजन मक्का के भुट्टे, गीला नारियल, दाल की पकोड़ी, खीर व घेवर का आनंद

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का मनोरंजक गैट टू गैदर कार्यक्रम ''आपणो राजस्थान होलीडे रिसोर्ट'' हरमाडा में संपन्न हुआ। संस्थापक अध्यक्ष राकेश समता गोदिका ने बताया कि कार्यक्रम में समन्वयक राजेश - रितु छाबड़ा, संयोजक सपन - रजनी छाबड़ा, अखिल - पारुल छाबड़ा,विमल - पिंकी जैन द्वारा मनोरंजक गेम्स व राजस्थानी थीम पर आधारित आकर्षक हाऊजी खिलाई जिसका सभी सदस्यो ने भरपूर आनंद लिया।गेम्स व अर्ली कमिंग में विजेताओं को पुरस्कार तथा सावन के स्वादिष्ट मक्का के भुट्टे, नारियल, घेवर आदि की सभी के लिए कार्यक्रम समन्वयक व संयोजकों द्वारा प्रायोजित थे। **सदस्यों ने लिया स्विमिंग, रेन डांस का भी आनंद लिया:** ग्रुप अध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या व सचिव राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रुप उपाध्यक्ष सुनील - सुनीता गोदिका द्वारा ग्रुप द्वारा लोकसभा चुनाव पर आधारित क्विज के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर ग्रुप कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती अर्चना - अशोक पाटनी को उनके जन्मदिन के लिए माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। अंत में संस्थापक अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने सुंदर व व्यवस्थित आयोजन के लिए समन्वयक राजेश - रितु छाबड़ा, संयोजक सपन - रजनी छाबड़ा, अखिल - पारुल छाबड़ा के साथ साथ विमल - पिंकी , वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय - ज्योति छाबड़ा तथा राकेश - रेणु संघी का कार्यक्रम को सफल बनानें में दिये गए सहयोग के लिए तथा ₹आपणो राजस्थान होलीडे रिसोर्ट₹ का सुंदर व्यवस्था के लिए आभार व्यक्त किया।

रोटरी क्लब जयपुर क्राउन की इंस्टालेशन सेरेमनी सम्पन्न

अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन तथा सचिव दिनेश लीला बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर क्राउन की भव्य इंस्टालेशन सेरेमनी होटल सफारी में संपन्न हुई। अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन तथा सचिव दिनेश लीला व टीम को DG श्रीमती राखी गुप्ता, PDG अजय काला, मुख्य अतिथि कर्नल डॉ समित शर्मा ने पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर चार्टर्ड प्रेसिडेंट विशाल गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती रीना गुप्ता सहित अनेक गणमान्य अतिथि व क्लब सदस्य उपस्थित थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन ने सभी को उन पर विश्वास करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा पूर्व में क्लब द्वारा किए गए सेवा कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए आगामी सत्र में ओर भी अधिक सेवा के कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्लब द्वारा छात्रों को यूनिफार्म व स्टेशनरी वितरण, वृक्षारोपण आदि अनेकों मानव व प्राणी मात्र की सेवा के कार्य प्राथमिकता के साथ किए जाएंगे।

शोक संदेश

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी धर्म पत्नी

श्रीमती जय कुमारी चोरड़िया

Godha

का देवलोक गमन दिनांक 30.07.2024 को हो गया है अंतिम यात्रा दिनांक 31.07.2024 को हमारे निवास स्थान ज्ञान होम्स प्लॉट नं. सी 77 जनता कॉलोनी, प्रगति हॉस्पिटल के सामने, जनता कॉलोनी, जयपुर से प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होकर आदर्श नगर, मोक्ष धाम जाएगी।

शोकाकुलः राजकुमार (पति), अभय कुमार- बिमला, यशवंत कुमार- पुष्पा, पदम कुमार- सुषमा, सुनील कुमार-मंजू (देवर देवरानी), प्रवीण कुमार - संगीता (पुत्र-पुत्रवधू), दीपक -नीलू, आशीष- छवि (भतीजे बहु) प्रीति-वीरेंद्र गोलछा (पुत्री -दामाद), प्रेक्षा, मुस्कान (पौत्री) ,प्रणव, प्राची, वैभव (दोहिते), ससुराल पक्षः राजेंद्र जी, महेंद्र जी, सुरेंद्र जी, अक्षय जी, समस्त खीवसर परिवार

प्रतिष्ठानः जी सी इलेक्ट्रानिक्स जयपुर, 9820488136,9314510012,9829056960

एकाग्रचित्त से पाया हुआ ज्ञान हमारे भविष्य को मजबूत बनाता है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। एकाग्रचित्त से पाया हुआ ज्ञान हमारे भविष्य को मजबूत बनाता है। मंगलवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में आयोजित विशाल प्रवचन धर्मसभा मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज श्रावक श्राविकाओं संबोधित करतें हुए कहा कि जिस तरह दर्पण के सामने खड़े होने से हरेक को अपना स्वरूप देखने को मिलता है, उसी तरह महापुरुषों के जीवन प्रसंग हमारे लिए दर्पण की तरह होते हैं। आचार्य आनंद ऋषिजी म.सा.का जीवन दर्पण की तरह था। उनकी स्मृतियां हमारे स्मृति पटल पर आ जाती है। परमात्मा चार समाधि में शुद्ध समाधि का चित्र बताते हुए कहते हैं एकाग्रचित्त से पाया हुआ ज्ञान हमारे भविष्य को मजबूत बनाता है, हमें स्थिर कर देता है। किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होने देता। श्रुत का स्वाध्याय करने से समाधि पाने का अवसर मिलता है। युवाचार्य श्री ने बताया 7 दिसम्बर 1913 को बालक नेमीचंद दीक्षा ग्रहण की और आनंद ऋषि बने। उन्होंने कहा ऋषि परंपरागत शब्द है। आनंद नाम अपने आप में एक अद्भुत, विशेष अर्थ लिए हुए था। जो योगी होते हैं, वे सुख में या दुःख में नहीं रहते, वे आनंद में रहते हैं। आनंद नाम ऐसा है जो उस नाम के भीतर का सामर्थ्य रखता है। आचार्य आनंद ऋषिजी का यह सामर्थ्य अंत तक कायम रहा। उनकी ज्ञान साधना अप्रतीम थी। उनके प्रवचन में उर्दू, फारसी के दृष्टांत रहते थे इसलिए जैनेतर, विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय के लोग उत्सुकता से प्रवचन सुनने आते थे। उनका व्याकरण उच्च कोटि का था। यह उनकी प्रतिभा थी कि वे कोई भी ज्ञान को शीघ्र कंठस्थ कर लेते थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विनयवान होना सज्जनता का प्रतीक है: मुनि प्रणम्य सागर महाराज

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर बुधवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

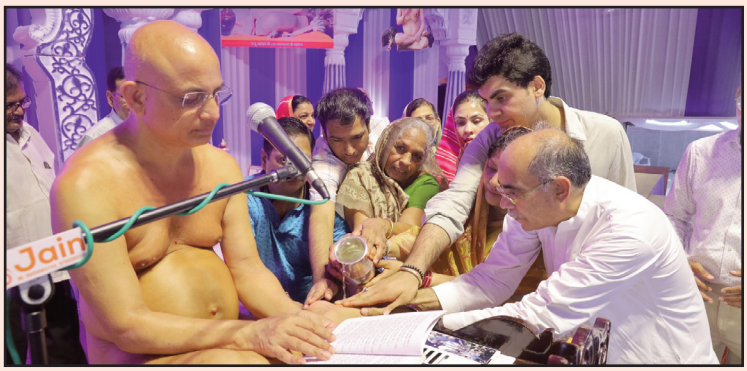

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के 10 भव पहले मरुभूति भव में कमठ द्वारा मरुभूति का शिला पर पटक कर वध करने का प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान सजीव पात्रों ने मनमोहक अभिनय कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इस मौके पर मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि विनयवान होना ही सज्जनता का प्रतीक है। मुनि श्री ने बताया कि जिस तरह से विज्ञान में क्यों, कैसे के जवाब ढूंढे जाते हैं उसी तरह से धर्म के बारे में भी क्यों, कैसे के बारे में जानना चाहिए। मुनि श्री ने बताया कि दुर्जन व्यक्ति की संगति से बचना चाहिए। सरलता सरल लोगो के साथ बढती है। मुनि श्री ने दुर्जन की तुलना कफ रोग से करते हुए बताया कि जिस तरह कफ रोग में मीठा खाने से रोग में बढोत्तरी होती है वैसे ही दुर्जन व्यक्ति से मीठा बोलने से उसकी दुर्जनता बढती है। इस मौके पर मुनि श्री द्वारा श्रद्धालुओं को अर्हम ध्यान योग के अन्तर्गत अरिहंत परमेष्ठी का ध्यान करवाया गया। इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया।

तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी दिनेश विनिता पापडीवाल परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं उन्हें शास्त्र भेट कर पुण्यार्जन किया गया। इस मौके पर प्राचार्य शीतल चन्द जैन, आठ प्रतिमाधारी डी सी जैन, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के उपाध्यक्ष उत्तम चन्द पाटनी,संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन,संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार 31 जुलाई को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।

समाजसेवी कप्तान मीनू बेनीवाल ने शुरू की निःशुल्क तीर्थ यात्रा सेवा

पहले दिन खाटू श्याम जी व सालासर धाम के लिए चली बस में गए 60 यात्री

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। समाजसेवी कप्तान मीनू बेनीवाल ने ऐलनाबाद से विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क तीर्थ यात्रा सेवा शुरू की है। जिसके तहत ऐलनाबाद से खाटू श्याम जी व सालासर धाम की यात्रा के लिए निःशुल्क बस चलाई गई है। गत रात्रि को शहर के वार्ड 9 में स्थित प्राचीन श्री श्याम मंदिर से पहली बस श्री खाटू श्यामजी व सालासर धाम के लिए 60 महिला पुरुष यात्रियों को लेकर रवाना हुई। इस बस को श्री श्याम मंदिर कमेटी के प्रधान मांगीलाल गिदड़ा व टीम कप्तान मीनू बेनीवाल के सदस्यों ने झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी तीर्थ यात्रियों ने श्री श्याम बाबा व बजरंगबली के गगनभेदी जयकारे लगाए। बनवारीलाल तलवाडिया के नेतृत्व में यह पहली बस यहां से चलकर प्रातः 4 बजे श्री खाटू श्याम में पहुंची। जहां सभी श्रद्धालुओं ने धर्मशाला में थोड़ा विश्राम किया। उसके बाद सभी ने स्नानादि करके श्री श्याम बाबा के चरणों मे माथा टेका और श्याम कुंड के दर्शन किये। बाद में धर्मशाला में जलपान करके सुबह साढ़े नौ बजे यह बस श्री सालासर धाम के लिए निकल पड़ी। दोपहर में सभी श्रद्धालुओं ने बाबा बजरंग बली के चरणों मे माथा टेका और उनके भव्य दर्शन किये और बाजारों में खरीददारी की। दोपहर 1 बजे वहां के एक रिसोर्ट में भोजन के उपरांत दोपहर ढाई बजे यह बस वापस ऐलनाबाद की ओर निकल पड़ी और देर शाम को वापस ऐलनाबाद पहुंच गई।

प्रक्षाल वषायीग मंगल कलश स्थापना समारोह सम्पन्न

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

बड़ागांव धसान। जैन मंदिर बड़ागांव में चातुर्मास कलश स्थापना का आयोजन बड़े ही भक्ति भाव से आयोजित किया गया। चातुर्मास आचार्य श्री विभव सागर महाराज के शिष्य मुनि श्री प्रक्षाल सागर,एवं मुनि श्री रत्नात्रय सागर महाराज का चातुर्मास हो रहा है। कार्यक्रम में सर्वप्रथम गणाचार्य श्री विराग सागर महाराज के चित्र का अनावरण टीकमगढ़ विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला द्वारा किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन डिंडोरी से पधारे हुए श्रद्धालुओं ने किया मुनि श्री के पाद प्रक्षालन

का सौभाग्य राजकुमार जैन अतुल जैन पथरिया को मिला शास्त्र भेंट का सौभाग्य संतोष जैन डिंडोरी, अजीत जैन बैसा को मिला।चातुर्मास में स्थापित प्रथम कलश का कूपन द्वारा ड्रा किया जाएगा एवं अन्य कलश का सौभाग्य राजेश कुमार मंडला, सत्येंद्र कुमार शहपुरा, प्रकाश सिघई डूडा,चौधरी कोमलचंद प्रसन्न कुमार,हुकुमचंद हटैया,संदीप शिवपुरी को मिला।इसके पश्चात मुनि श्री रत्नत्रय सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए जिसमें उन्होंने कहा कि मुनिराज चातुर्मास एक जगह रुक कर प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखते हैं। जीवो की रक्षा करते हैं, मुनिराज क्षमा भाव के कारण चातुर्मास में श्रावको को धार्मिक लाभ प्राप्त होता है। मुनिराज 4 माह में तप,ध्यान,साधना करके अपना चातुर्मास सफल बनाते हैं। चातुर्मास का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं के जागरण व श्रद्धा को समिचित करते हैं। श्रावक 12 महीने में 8 महीने संसार ही बढ़ाता है 4 माह में पुण्य अर्जन कर मानव जीवन सफल करता है।चातुर्मास कलश स्थापना विश्व शांति एवं विश्व कल्याण के उद्देश्य से स्थापित किया जाता है। संसार में मनुष्य जीवन दान पुण्य करने के लिए है गिने-चुने लोग ऐसे होते हैं की धन आने पर दान धर्म करते हैं। तो उनके परिवार नहीं बिगड़ते जैसे दीपावली को अपनी वही पर शुभ लाभ ही नहीं लिखते रहो साथ में शुभ खर्च भी लिखा करो।

वर्द्धमान मेकअप आर्टिस्ट विभाग में 'नेचर मेकअप लुक' प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग द्वारा सोमवार को 'नेचर मेकअप लुक' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के पर्यावरण से संबंधित लुक तैयार किया। थीम आधारित इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने क्रमशः सेव नेचर, सेव अर्थ, गार्डन, बटरफ्लाय आदि का लुक तैयार किया जिसमें प्रथम स्थान पर मनीषा लालवानी, याशिका भोजवानी, आरती बागरेचा ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में मेकअप छात्राएं क्रमशः कविता, मुस्कान, पायल, लक्ष्मी, पायल सेन, ऐश्वर्या, मेघा मेघवाल व उर्मिला ने भाग लिया। शिक्षण समिति मंत्री डा. नरेन्द्र पारख ने छात्राओं की मेकअप कला व पर्यावरण को बचाने की पहल की प्रशंसा की व भविष्य में अपनी इसी कला के द्वारा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय प्राचार्य डा. आर.सी. लोढ़ा ने छात्राओं के संपूर्ण नेचर लुक को बारीकी से परख कर छात्राओं द्वारा किए गए कार्य की सराहना की। इस अवसर पर व्याख्याता छवि गरवाल, शबाना शेख, रितु प्रजापति, प्रियंका मंगरोला, नीलम खत्री, अंजलि जांगिड, सहित समस्त संकाय सदस्य व छात्राएं उपस्थित रही।

सदैव अच्छे लोगों की संगति करिए : मुनि श्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर जैन मंदिर में मंगलवार को हुई धर्मसभा को संबोधित करते हुए परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने कहा कि संगति,संस्कार,संपर्क व ससंर्ग ये सब जीव के संसार में अधिक रहने या ना रहने का निर्धारण करते है। संसार में जब भी जीव का संपर्क जिन वस्तुओं से होता है तो वह निर्धारित करता है कि संसार में आपकी स्थिति क्या है। संसार में कोई निर्णायक है तो वह संगति है आपका संसर्ग है, इसके अलावा कोई निर्धारण करता है आपके संस्कार है व आपके संपर्क है। उन्होंने कहा कि हम इस संसार में जड़ व चेतन वस्तुओं के संपर्क में आते है। जड़ वस्तुओं हम सभी को ज्यादा प्रभावित करती है। जितने लोग संसार में सुधरते व बिगड़ते है,वो हमारी संगति तय करती है। जीवन में अपनी स्थिति व परिणामों को सुधारना है,तो सदैव अच्छे लोगों की संगति करिए। उन्होंने आगे कहा कि आज हम सभी शरीर को संवारने लगे है,जो कि मलिनता का घर है,जिसमें नौ द्वार से मल बहता है। ऐसे मलिन शरीर की सेवा में जिंदगी निकाल देते है। इसलिए मलिन शरीर की तरफ अधिक ध्यान ना देकर अपे आत्म स्वरूप को जानकर अपने जीवन को सुखद बनाना चाहिए और जिनवाणी की संगति पाकर पाकर परमानंद दशा को प्राप्त करना चाहिए। प्रचार प्रसार मंत्री आशीष बैद ने बताया कि महाराजश्री के बुधवार को मंगलवार प्रवचन सुबह 8.15 बजे होंगे।

मोह के संबंध सब छूट जाते है: मणिप्रभा श्रीजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। गलता गेट स्थित मोहनबाड़ी जैन मंदिर परिसर में मंगलवार हुई धर्मसभा को संबोधित करते हुए मरुधर ज्योति परम पूज्य मणिप्रभा श्रीजी महाराज साहब ने मोह दुःख का कारण के बारे में बताया कि जब जो शरीर मिला -हाथी, घोडा आदि जीव जब जिस शरीर में जाता है - वहाँ की व्यवस्था में ही मगन हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि आपकी हमारी जिन्दगी सबकी समाप्त होने वाली है जितने भी राग के सम्बन्ध है मोह के सम्बन्ध है सब छूट जाते है - परिवार के लोग आंसू बहाते है उसे एक आँसू नहीं आता क्योंकि जानने वाला चला गया स खाली खोखा रह गया स किसको कहां जाना है नहीं पता कब जाना है नहीं पता - ये पता है कि सब छूटने वाला है। धन, सम्मान, मकान, साड़ी, वाडी, गाड़ी सब छूटेगा स फिर भी शरीर की व्यवस्था को अपनी अवस्था मानते है जिसको देखने दिखाने में लगे है सब यही रह जायेगा स पशु जगत में न खाने को जगह, न सोने की, न रहने की जगह, कुछ भी व्यवस्था नहीं आत्मज्ञान के बिना ये अज्ञान छूट ही नहीं सकता। संघ मंत्री देवेन्द्र कुमार मालू ने बताया कि इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाराज साहब के प्रवचनों का लाभ लिया।